ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम   विषय- हिन्दी

दिनांक—06/07//2020   व्याकरण-संज्ञा

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका दिन मंगलमय हो!

एन सी इ आर टी पर आधारित

प्रिय बच्चों, हमने आपको जातिवाचक से भाववाचक संज्ञा एवं विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाने को दिया था ।हमने

देखा, जो कुछ कॉपियाँ आ रही हैं उनमें कुछ गलतियाँ भी हैं इसलिए मैंने सोचा क्यों नहीं आप लोगों को हल करके ही दे दिया जाए, जिससे आपको पढ़ने में और याद करने में सुविधा होगी, वैसे आप हिंदी व्याकरण की किताब “संचय-8” के पृष्ठ संख्या-28 में इसे पढ़ सकते हैं।

आप इसे अपनी उत्तर पुस्तिका में उतारे एवं याद करें।

जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा बनाना

जातिवाचक	भाववाचक संज्ञा
लड़का	लड़कपन
मानव	मानवता

दानव	दानवता
गुरु	गुरुत्व
देव	देवत्व
माता	मातृत्व
स्त्री	स्त्रीत्व
नारी	नारीत्व
साधु	साधुत्व
पुरुष	पौरुष/पुरुषत्व
बंधु	बंधुत्व
दास	दासत्व
आचार्य	आचार्यत्व
प्रभु	प्रभुत्व/ प्रभुता
राष्ट्र	राष्ट्रीयता
प्रांत	प्रांतीयता

समूह	सामूहिकता
शिशु	शैशव
युवक	यौवन
स्वामी	स्वामित्व
व्यक्ति	व्यक्तित्व
विद्वान	विद्वत्ता

विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाना

विशेषण	भाववाचक संज्ञा
चतुर	चतुराई
नालायक	नालायकी
संपन्न	संपन्नता
विपन्न	विपन्नता

मुक्त	मुक्ति	शिष्टता
मूर्ख	मूर्खता	
सभ्य	सभ्यता	
उदार	उदारता	
ईमानदार	ईमानदारी	
निर्बल	निर्बलता	
व्यस्त	व्यस्तता	
कंजूस	कंजूसी	
शिष्ट	शिष्टता	
मधुर	माधुर्य	
गंदा	गन्दगी	
खुशहाल	खुशहाली	
दक्ष	दक्षता	
हिंसक	हिंसा	
चंचल	चंचलता	

स्वस्थ	स्वास्थ्य
दुष्ट	दुष्टता
खट्टा	खटास
मीठा	मिठास
महँगा	महँगाई
प्यास	प्यासा
हैरान	हैरानी
बर्बाद	बर्बादी
चिंतित	चिंता

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”